

भारतीय दैनिक मौसम मानचित्रों की व्याख्या

(Interpretation of Indian Daily Weather Maps)

JANUARY

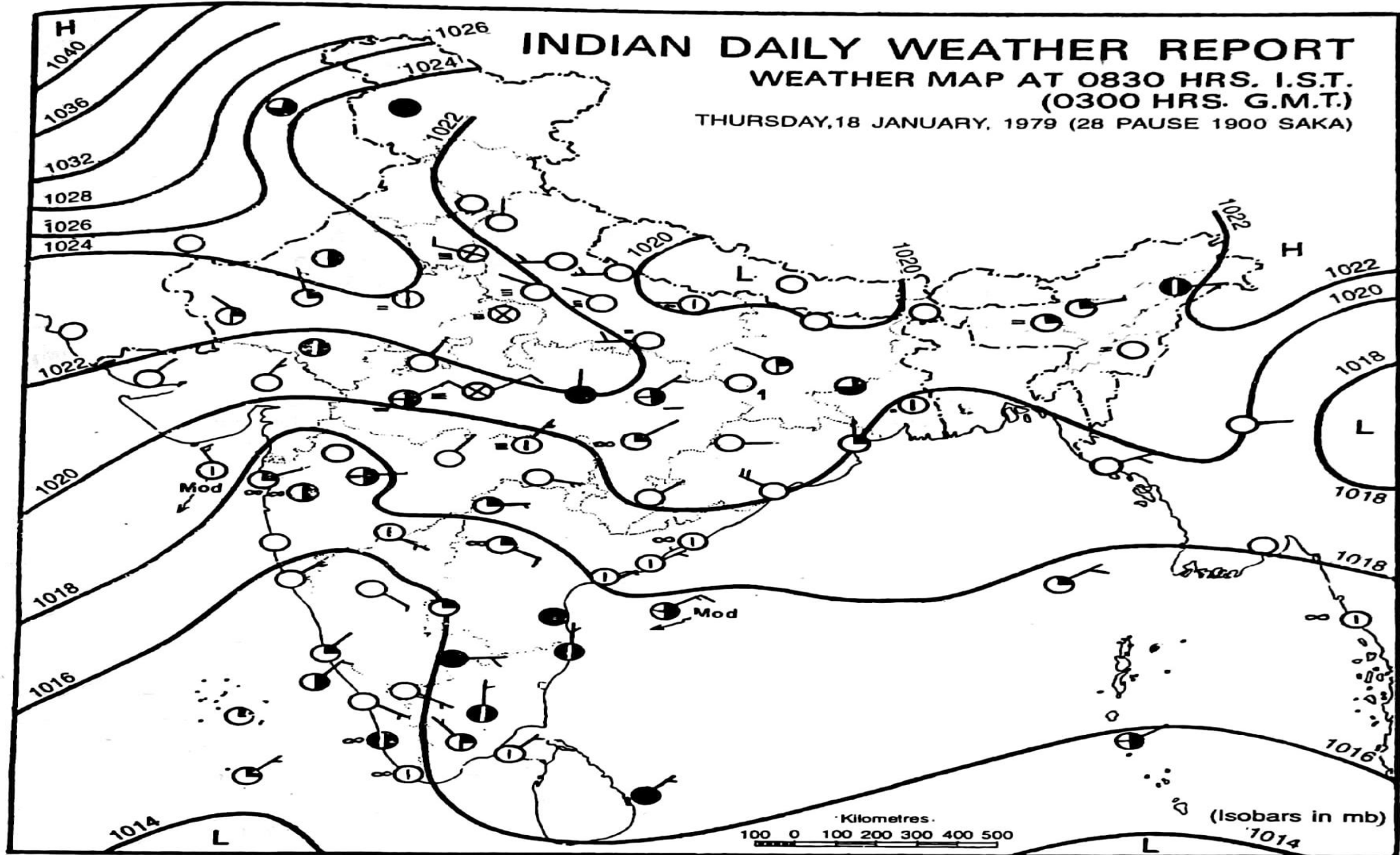
परिचय-

मानसून के आधार पर भारत में चार ऋतु होती हैं। अतः जनवरी माह की ऋतु का उदाहरण देते हुए भारतीय दैनिक मौसम मानचित्रों की व्याख्या की गई है।

INDIAN DAILY WEATHER REPORT

WEATHER MAP AT 0830 HRS. I.S.T.
(0300 HRS. G.M.T.)

THURSDAY, 18 JANUARY, 1979 (28 PAUSE 1900 SAKA)



वायुमण्डलीय दाब

सामान्यतः दक्षिणी भारत में दक्षिण (1014 मिलीबार) से उत्तर (1020 मिलीबार) की ओर को तथा उत्तर भारत के मध्यवर्ती क्षेत्र से पूर्व तथा पश्चिम दोनों ओर को वायुमण्डलीय दाब में वृद्धि हो रही है। निकोबार द्वीप समूह के दक्षिण में तथा अरब सागर के सुदूर दक्षिणी भाग में वायुमण्डलीय दाब की मात्रा 1014 मिलीबार है जो अफ़ग़ानिस्तान में बढ़कर 1040 मिलीबार हो गई है। समदाब रेखाओं का अन्तराल 2 मिलीबार है।

समदाब रेखाओं की प्रवृत्ति – मानचित्र के उत्तरी पश्चिमी भाग की समदाब रेखाओं की प्रवृत्ति के अध्ययन से स्पष्ट है कि पश्चिमी विक्षोभ (western disturbances) पश्चिमी हिमालय के आर-पार स्थित निम्न वायुदाब गर्त (trough) के रूप में पूर्व की ओर को बढ़ रहे हैं। उत्तरी-पश्चिमी उत्तर प्रदेश व पश्चिमी मध्य प्रदेश पर स्थित गर्त कम स्पष्ट है। शान पठार के निम्नदाब क्षेत्र की आकृति अण्डाकार है। दक्षिणी पठार पर समदाब रेखाएँ पश्चिमी भाग में उत्तर की ओर को तथा पूर्वी भाग में दक्षिण की ओर झुकती हुई पूर्व-पश्चिम दिशा में फैली हैं।

• पवन

मानचित्र में पवनों की दिशा एवं वेग पर उच्च व निम्नदाब क्षेत्रों की स्थिति तथा दाब प्रवणता का प्रभाव स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है।

आकाश की दशा

मेघावरण की मात्रा शीत ऋतु होने के कारण अधिकांश मौसम-प्रेक्षण केन्द्रों पर आकाश मेघ रहित है। मानचित्र में निम्न ऊँचाई वाले मेघ दिखलाये गये हैं।

वर्षण

वर्षा का सामान्य वितरण –

बिहार के पठार तथा पूर्वी मध्य प्रदेश में वर्षा प्रकीर्ण (scattered) है। इसके अतिरिक्त हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ तथा पश्चिमी बंगाल में विलगित (isolated) रूप में वर्षा है। देश के शेष भागों में मौसम शुष्क रहा है।

अधिक वर्षा के क्षेत्र-

निम्नलिखित केन्द्रों पर अपेक्षाकृत अधिक वर्षा हुई है :

केन्द्र	वर्षा (सेमी)	केन्द्र	वर्षा (सेमी)
स्योनी	4.5	अमरावती	1.71
धर्मपुर	2.42	छिन्दवाडा	1.2
सिधी	2.0	डाल्टनगंज	0.8
बेतुल	1.9	रांची।	0.7

अधिकतम तापमान का प्रसामान्य से विचलन

द० हिमाचल प्रदेश, दक्षिणी-पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश तथा गुजरात में अधिकतम तापमान प्रसामान्य से 2° सेये से 8° सेये तक कम है। अधिकतम तापमान का प्रसामान्य से अधिकतम ऋणात्मक विचलन (8° सेग्रे) उत्तरी राजस्थान में हुआ है। आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक सिक्किम एवं असम के कुछ भागों में अधिकतम तापमान प्रसामान्य के अनुरूप है। देश के शेष भागों में अधिकतम तापमान प्रसामान्य से अधिक है।